संत अन्ना परिवार
की
बुनियादी दस्तावेज़

विषय सूची

१. प्रस्तावना ४

२. बुनियाद..... ५

३. संत अन्ना परिवार की परिभाषा..... ६

४. पहचान की विशेषता ७

५. सदस्य बनने का मापदंड..... ८

६. भागीदारी के तरीके.....९

७. वचनबध्दता.....११

८. संगठन..... १२

८.१ ढांचा.....१२

८.२ जिम्मेदारियों का मापदंड.....१३

८.३ कार्य करने का मापदंड.....१५

८.४ संबंध और संचार के मार्ग १५

९ शब्दकोष.....१६

१०. संक्षेपण..... १९

११. ग्रंथसूची.....२०

१. प्रस्तावना -

ईश्वरीय बुलाहट के जवाब मे, फादर जोन बोनाल और मदर मरिया राफोल्स, कुछ महिलाओं एवं पुरुषो के समूह के साथ अपने भूमि को छोडकर २८ दिसंबर १८०४ को जरागोजा नामक शहर पहुंचे। उन्होने स्तंभ की माता मरिया से प्रार्थना की और उनकी संरक्षण की कामना की, ताकि वे प्यार और समर्पण के साथ मिशन कार्य को कर सके जिसके लिए वे कृपा की माता मरिया अस्पताल में आए।(संदर्भ संवि.२)। यह सिस्टर्स ऑफ चॅरिटी ऑफ सेन्ट एन्न की संस्था की उत्पत्ति है। एक और बीज जो हमारे सन्त अन्ना परिवार का जन्म संभव बना दिया है। (सं.अ.प.)

इस अस्पताल में बहुत समय से धर्म बहनें एवं लोकधर्मीयों ने आपस में मिलजुल कर और एक दूसरे के सहयोग व्दारा यहां के सभी कार्यो को कार्यान्वित किया जिसके कारण एक भावनात्मक एवं प्रभावकारी बंधन के रुप में, करिश्माई परिवार बनाने की प्रेरणा प्राप्त हुई है।

हम आज के समय तक पहुंचने के लिए विभिन्न महाव्दीपों में,२०० से अधिक वर्षो का एक लंबा सफर तय किया है। जीवन के विभिन्न क्षत्रों के लोगों को एक परिवार के रुप में सहानूभूतिपूर्वक जीने के लिए बुलाया गया है। इसमें धर्मबहन एवं लोकधर्मीयों के बीच परस्पर वरदानों को आपस में बांटने तथा आपसी समृध्द शामिल है ।

प्रत्येक के विशेष बुलाहट के लिए आदर एवं सम्मान की भावना रखते हुए अलग अलग परन्तु एक दुसरे पर निर्भर रहते हुए हम ईश्वर के राज्य की स्थापना करना चाहते हैं।

चॅरिटी ऑफ सेंट एन्न की संस्था ने, समय के संकेतों का जवाब देते हुए पहली बार, २६ वां सामान्य अध्याय में लोकधर्मियों को शामिल करने के विचार का स्वागत किया और अपने अंतिम दस्तावेज में संत आन्ना परिवार को शामिल करने के लिए एक नया सांझा मार्ग खोला । हम चाहते हैं कि मरिया राफोल्स और फादर जोन बोनाल के परोपकारिता के कार्यों का धर्मबहनों एवं लोकधर्मियों के व्दारा प्रचार हो एवं एक बडा संत अन्ना परिवार बनें।

२०१० के २७वां असामान्य अध्याय में संत अन्ना परिवार का, संविधान में समावेश किया गया।हम यह मानते है कि करिश्माई वरदान हमने पवित्र आत्मा व्दारा ग्रहण किया है और यह वरदान दूसरों को भी प्राप्त है, जो संस्था के साथ जुडे हुए है और संत अन्ना परिवार के सदस्य हैं ।

हम यह खुशी का अनुभव करते है कि आत्मा वर्तमान में हमारा मार्गप्रदर्शित करता है और उन लोगों को जो हमारी संस्था से जुडे हुए है, एक रास्ता है जिसके व्दारा अपनी पहचान बनाते हुए, अपनी बुलाहट को, करिश्माई परिवार में पूर्ण निष्ठा सें, हमारे संस्थापक के अनुरुप जीने की कोशिश करते है ।

२. बुनियाद-

" जिसे जो वरदान मिला है,
वह -ईश्वर के बहुविध अनुग्रह के
सुयोग्य भण्डारी की तरह-दुसरों की
सेवा में उसका उपयोग करें ।" **(१ पे. ४:१०)**

येसु खीस्त का अनुसरण और पवित्र आत्मा की प्रेरणा व्दारा, हमारे संस्थापक विशेष रुप से अपने समय के सबसे गरीब और जरुरमंदो के लिए शुभ संदेश बनें।उन्ही के तरह हम विभिन्न परिस्थितियों मे जहाँ पर रहते हैं, ईश्वर की दया का चेहरा दिखाना चाहते हैं। समय कें संकेतों के अनुसार हम सभों का यह कर्तव्य है कि हम अपने विशिष्ट प्रेरिताई कार्य को जीवित रखें।

आतिथ्य सत्कार, हमारे विशिष्ट प्रेरिताई कार्य का मूल, ईश्वर की आतिथ्य का प्रतिबिंब है जिसने हमें पहले प्यार किया और अपने एकमात्र बेटे को दुनिया में भेजकर हमारे लिए अपना प्यार प्रकट किया।येसु, पिता के साथ एक होने के कारण, उध्दार की योजना को, प्रेम एवं ईश्वर की दया व्दारा प्रकट किया ।

यह आवश्यक है कि हम ईश्वर व्दारा प्राप्त प्रेम को अपने पडोसियों में बांटे | हमारे संस्थापकों और पहली धर्मबहनों ने भात्रप्रेम व्दारा पिता के प्रेम की अभिव्यक्ति की, और वे सभों को एक परिवार में शामिल करना चाहते थे जहाँ कोई भी अपवर्जित न हो |

संत अन्ना परिवार, ईश्वर के बच्चों का परिवार है | येसु के समान, और सर्वभौमिक दान, आतिथ्य की सेवा के माध्यम से इसे और अधिक मानव बनाकर वास्तविकता में बदलना चाहते हैं|

समर्पित पवित्र जीवन ने, एक नई संरचना की खोज की है| जिसके तहत एक करिश्माई उपहार के साथ संघठित सभी लोग एक जुट होकर सांमप्रदायिकता में प्रवेश करते हैं| यह संरचना ''करिश्माई परिवार '' है|

अनेंकों संस्थांओं ने यह निर्णय किया कि उनके विशिष्ट प्रेरिताई कार्यों को आम लोगों के साथ बांटा जा सकता है | आशा और समृध्द, इतिहास में एक नया अध्याय, समर्पित व्यक्तियों एवं लोकधर्मियों के बीच संबंध शुरु हो गया है| साम्प्रदायिकता आत्मा का एक उपहार है जिसे हमें पूरक कार्यो और विशिष्ट प्रेरितिक कार्यो की हमारी सीमा से आभार, प्रतिबध्दता और जिम्मेदारी के साथ रहने के लिए कहा जाता है|

३. संत अन्ना परिवार की परिभाषा-

संत अन्ना परिवार के लोग जो सार्वभौमिक दान,आतिथ्य बनाया, का योगदान अपने विशेष बुलाहट एवं वास्तविकता, ईश्वर के प्रेम का साक्ष्य तथा हमारे संस्थापिका मदर मरिया राफोल्स ब्रूना एवं संस्थापक फादर जोन बोनाल कोरतादा के अनुसार जीने वाले लोग होते है|

यह एक विस्तृत परिवार है जिसके अर्न्तगत विभिन्न आयु,लिंग,धर्म (यहाँ तक कि अलग अलग भावना के धार्मिक या नास्तिक जो खोज में लगे हैं) विभिन्न पहलुओं के लोग, भाषा,जाति या सामाजिक इत्यादि, जो व्यक्तिगत रुप से जुडने की चाहत रखते है| सभी सदस्य सांम्प्रदायिकता के साथ संस्था एवं विभिन्न तरीकों से, ये चारों स्तंभ -प्रार्थना,भात्रत्व,प्रशिक्षण और वचनबध्दता को जीते हैं|

४. पहचान की विशेषता -

संत अन्ना परिवार के सदस्य हमारी पहचान की खोज प्रगतिशील रुप से करते और उसी पहचान के अनुसार अपना जीवन की कोशिश करते हैं हम ये लोग है जोः-

क) नाजरेत के येसु व्दारा आकर्षित, उनकी शिक्षा व्दारा एक मानवीय एवं भात्र भाव दुनिया बनाने की इच्छा रखते है|

ख) सार्वभौमिक दान विशिष्ट प्रेरिताई कार्य से समृध्द होकर,आतिथ्य सेवा के माध्यम से गरीब और जरुरतमंदो की सेवा,वीरता के बिंदु तक करते रहना|

ग) ईश्वर के वचन एवं प्रार्थना व्दारा पोषित होते है |

घ) ससरल,विनम्र,उपलब्ध, हर्षित एवं दूसरों की आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी रहना|

ड) जो निष्ठा अपने आत्मसमर्पण,अधिकतम देखभाल के साथ पूर्ण विस्तार के साथ और प्रेम के साथ अपना जीवन जीता है | (संदर्भ संवि -१९)

च) जो जिम्मेदार और दयालु सेवा के एक दृष्टिकोण वाले होते है |

छ) जरुरतमंदो के प्रति समर्पण और उनके परिस्थिति को सुधारने के लिए अपने आपको सम्मिलित करते हुए उनके प्रतिष्ठा का पहचान दिलाना है|

ज) सामुहिक कार्य और एकता की भावना के साथ|

झ) परिवार, बन्धुत्व और साम्प्रदायिकता की भावना के साथ|

त्र) इस क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त करने के इच्छुक : मानव आध्यात्मिक और एक करिश्माई परिवार के रुप में हो|

ट) जो हमारी करिश्माई परिवार की आध्यात्मिकता को हर एक के बुलाहट के अनुसार जीते है|

५. सदस्य बनने का मापदंड -

लोक धर्मियों को संत अन्ना परिवार के सदस्य बनने के लिए विशेष मापदंड -

१) अपने व्यक्तिगत हित की मांग किए बिना।
- संत अन्ना परिवार की सदस्यता केवल संस्था के केंन्द में कार्य करने/ स्वयं सेवा व्दारा अनुमोदित नही होता है, यह एक समूह या संघ से जुडा हुआ होता है जिसके अन्तर्गत संत अन्ना परिवार व्दारा आयोजित गतिविधियों में भाग लेना अथवा जॉन बोनाल फांउडेशन के व्दारा आयोजित परियोजनाओं मे अपना सहयोग देना होता है।

संत अन्ना परिवार द्वारा आयोजित गतिविधियों में भाग लेने वाले सभी बच्चों को संघटना की प्रक्रिया में सदस्य माना जाता है जब तक वे स्वतंत्र रुप से चयन करने की क्षमता नहीं रखते।

२) अन्य सदस्यों के साथ बिरादरी की प्रतिबध्दता, जो कि दुनिया भर में है, जो विशिष्ट प्रेरिताई कार्य हमे मिला है। उसके माध्यम से आत्मा और मिशन में योगदान देते है।

३) संत अन्ना परिवार के किसी भी समुदाय,समुह , उपस्थिति गतिविधियों आदि में भाग लेना।

४) संत अन्ना परिवार के लिए भावनात्मक और प्रभावी संबंध रखना।

५) धीरे धीरे हम यह मान लें कि संत अन्ना परिवार के सदस्यों की पहचान के लक्षण हमारे खुद के है।

६. भागीदारी के तरीके -

चार खंभोसे जुडी गतिविधियों में संत अन्ना परिवारकी सदस्यों की भागीदारी पहले ही उल्लेख की गई है, प्रार्थना -प्रशिक्षण -भातृत्व-प्रतिबध्दता।

प्रार्थना -

- ईश्वर के वचन में मजबूत बनना ।
- मनन चिंतन और साधना के दिन ।
- यूखरिस्त समारोह, पवित्र सक्रामेंट की आराधना,घंटे की आराधना पध्दति ।
- विशेष पूजन पध्दति काल में बैठकीः आगमन,खीस्त जयंती,चालीसा काल,पास्का,पेन्तेकोस्त के समय ।
- पारिस्थितिक या अंतरिम प्रार्थना ।

प्रशिक्षण -

- मानव,बाइबल, आध्यात्मिक, पास्ट्रल, धर्मसमाज, विश्वव्यापी, सांस्कृतिक प्रशिक्षण ।
- प्रशिक्षण सामग्री का विस्तार ।
- प्रशिक्षण प्रक्रिया का समन्वय ।

भातृत्व :

- स्थानीय, राष्ट्रीय, प्रांतीय और अंर्तराष्ट्रीय स्तर पर बैठक (या तो सदस्य या प्रतिनिधि)।
- धर्मसमाजी समारोह ।घटनाएं । पर्व त्योहार ।
- अन्य विश्वास के सदस्यों की गतिविधियों और या धार्मिक समारोहों (या अन्य घटनाओं) में भागीदारी,उनकी परंपराओं या अनुष्ठानों का सम्मान करते हुए ।
- विश्वव्यापी या सर्वधर्म की बैठकी ।
- कार्यशाला ।

- ग्रीष्मकालीन कार्य शिविर|
- युवा शिविर
- कक्षाएं या कार्य करने के समय सारणी के अलावा, मुल्यों को शिक्षित करने की गतिविधियां तैयार करना|
- मनोरंजक गतिविधियां|
- सैर, आपसी परिचय को बढाने एवं रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए |
- पूर्व छात्रों के साथ बैठकें |
- पहचान के संकेतों को बढावा देना : टी शर्ट,स्वेट शर्ट बैग, चाभीधारक, प्रतीक चिन्ह,शिखा गान |

प्रतिबध्दता-

- मिशनरी शिविर |
- ग्रीष्मकालीन शिविर |
- स्वयंसेवा गतिविधियां |
- संत अन्ना मिशनरी स्वयंसेवा |
- जोन बोनाल फांउडेशन के साथ सहयोग |
- एकता की घटनाएं |
- आश्रय घर |
- स्वास्थ,शिक्षण,बंदीग्रह, पल्ली और धर्मप्रचार के बुलाहट में धर्मसेवा का ध्यान देना |
- सामाजिक कार्यक्रम |
- अन्य संस्थाओं के साथ समन्वय, जो जरुरमंदों के पक्ष में कार्य करते है |
- महिलाओं की तरक्की |सशक्तिकरण |
- चिकित्सा शिविर | मिशन |
- परिवारों की मुलाकात और जो लोग मुशकिल परिस्थितियों में है विशेषकर संत अन्ना परिवार से संबंधित है और जिनकी देखभाल करने वाला कोई नही है |

पारिस्थितिक गतिविधियां-

भागीदारी का मुख्य तरीका,हमारे कार्य में और / या हमारे दैनिक जीवन में विशिष्ट प्रेरिताई कार्यो को करना है, हालांकि, निजि परिस्थितियों के कारण हम इनमें से कुछ गतिविधियों में शामिल नही हो पाते |
मानव विकास के चरणों के अनुसार सदस्यों को अलग अलग स्तरों में सम्मिलित किया जाता है | बच्चे, युवा और व्यस्क |किसी भी उम्र का व्यक्ति,पिछले स्तरो मे जाएं बिना भी, शामिल हो सकता है |

७.वचनबध्दता होने का तरीका-

ऐसे अलग अलग तरीके है जिसमें संत अन्ना परिवार के सदस्य अपनी भागीदारी एवं करिश्माई वचनबध्दता को जी सकते है |

- सं.अ.प. लोकधर्मी : धर्म निरपेक्ष व्यक्ति जो, विशिष्ट प्रेरिताई कार्य, सार्वभौमिक दान, आतिथ्य बनाया, से प्रतिबध्द है और जिसने संत अन्ना परिवार की गतिविधियों को अपने जीवन में जीने एवं भाग लेने के लिए चुना है |

-सं.अ.प. समूह : आतिथ्य के विशिष्ट प्रेरिताई कार्य के साथ पहचाने गए लोगों का समूह, जो नियमित हितों और/या लक्ष्यों के साथ निमित रुप से मिलते है, प्रार्थना,प्रशिक्षण, भात्रभाव एवं वचनबध्दता को आदान प्रदान करते है |

- सं.अ.प.लोकधर्मी समुदाय : विशिष्ट प्रेरिताई कार्य के साथ पहचाने गए लोगों का समूह , जो, अपने व्यक्तिगत इच्छा से इस जीवन योजना में शामिल होकर, अपने जीवन का आदान प्रदान करते हैं और अलग अलग अवधि में इस प्रक्रिया की समीक्षा करते रहते है (भौतिक वस्तुओं के एक साथ रहने या आदान प्रदान करने की आवश्यकता नहीं है) |

इन समुदायों के सदस्य

-करिश्माई से जुडा ।

-करिमाई एवं कानून से जुडा हुआ हो सकता है ।

एस.सी एस ए संस्था : बहनों व्दारा बनाई गई, अपनी स्वयं की संरचना के साथ ।

संत अन्ना परिवार के सदस्य, आपसी सहयोग एवं करिश्माई रिश्ते व्दारा, करिश्माई प्रतिबध्दता के नए रुपों को जन्म दे सकते हैं, जिसे संस्था के समक्ष प्राधिकारी व्दारा समझने और अनुमोदित करने की आवश्यकता है ।

८. संगठन -

८.१ ढांचा -

अ) स्थानीय स्तरः

- छः या अधिक सदस्यों वाले समूहों या लोकधर्मी समुदाय के लिए
  - सयोंजकः १ लोकधर्मी और १ धर्मबहन (जब संभव हो)
  - सचिव
  - कोषाध्यक्ष
- छः से कम सदस्यों का सामंजस्य, उस व्यक्ति व्दारा होगा जो संत अन्ना परिवार का कार्यभार संभालता है ।

इनमें से किसी भी स्थितियों में यदि एक भी धर्मबहन न हो जो साथ दे सके, तो प्रांतीय स्तर पर विशिष्ट प्रेरिताई कार्य में गठन एक जिम्मेदार व्यक्ति इस कार्य के लिए नियुक्त किया जाए ।

ब) प्रांतीय /प्रतिनिधि मंडल स्तर-

- प्रांतीय धर्मबहन/प्रतिनिधि
- संत अन्ना परिवार सभासद
- प्रांतीय मिश्रित दल (धर्मबहनें एवं लोकधर्मी): संयोजक,सचिव और कोषाध्यक्ष

प्रत्येक प्रांत/प्रतिनिधि मंडल में, लोगों के दल को, संपूर्ण करने की संख्या, प्रांत की वास्तविकता पर निर्भर है (सामान्य स्तर पर यह क्षेत्र, राज्य, प्रांत, देश, व्दिपों के गठित प्रतिनिधियों व्दारा किया जाएगा)

क) महाव्दवीपीय स्तर-

- सामान्य सभासद, संत अन्ना परिवार के जिम्मेदार है ।
- संत अन्ना परिवार का सभासद प्रत्येक प्रांतीय/प्रतिनिधि मंडल ।
- प्रत्येक प्रांतीय/प्रतिनिधि मंडल के लोकधर्मी संयोजक ।

ड) सामान्य स्तर-

- सामान्य मुखिया ।
- सामान्य सभासद संत अन्ना परिवार के जिम्मेदार हैं ।
- प्रांतीय/प्रतिनिधि मंडल सभासद संत अन्ना परिवार के जिम्मेदार हैं ।
- प्रांतीय स्तर पर लोकधर्मी संयोजक (अपने महाव्दीप मे कार्य या अलग अलग महाव्दीप मे कार्य करना ।

८.२ जिम्मेदारियों का वितरण-

समूह के संदर्भ में जिम्मेदारियों का वितरण निम्नलिखित होगाः

- **संयोजक :** (एक दल के साथ और विभिन्न स्तरों, सामान्य/प्रांतीय/स्थानीय)
  - वार्षिक योजना को बढावा देने के लिए चार स्तंभो से संबंधित (प्रार्थना.प्रशिक्षण,वचनबध्दता,भात्रभाव) गतिविधियों का होना ।
  - समूह /लोकधर्मी समुदाय, के कार्यो को उचित ढंग से संभालने की जिम्मेदारवी लेना ।
  - बैठकी की तैयारी ।
  - कोषाध्यक्ष के साथ निधि जुटाने में मदद करना ।
  - समूह का प्रतिनिधित्व करने के लिए अन्य संयोजकों के साथ मिलना ।
  - विभिन्न महत्वपूर्ण घटनाओं में अपने समूह का प्रतिनिधित्व करना ।
  - व्हाट्स अप समूह, ब्लॉग और सोशल नेटवर्किंग प्रोफाइल जो संत अन्ना परिवार से जुडा हुआ है उसका उचित उपयोग को सुनिश्चित करना ।

- स्थानीय और प्रांतीय स्तर पर, संत अन्ना परिवार के सामान्य परामर्शदाता के साथ संचार बनाए रखना ।

■ **सचिव -**

- सभा के निर्णित विचार को लिखना एवं उसे और अधिक आधुनिक करना।
- संत अन्ना परिवार के दूसरे समूहों के साथ आंतरिक एवं साथ ही बाह्य स्तर पर संपर्क के लिए जिम्मेदार होना।
- समूह के सदस्यों का बहीखाता और उनके संपर्क विवरण को बनाए रखना।
- क्रमबध्द तरीके से इतिहास के विभिन्न घटनाओं को सुनिश्चित करते हुए कम से कम कार्यकलापों के नाम,दिनांक,विषय एवं भाग लेने वाले सदस्यो का विवरण देना।

■ **कोषाध्यक्ष -**

- भौतिक वस्तुओं का संचालन करना (संयोजक के सहयोग के साथ) और कम से कम साल में एक बार आर्थिक स्थिति के बारे में समूह को बताना।
- पूंजी की खोज के लिए संयोजक के साथ सहयोग करना।
- सदस्यों के स्वैच्छिक योगदान को एकत्रित करने के साथ साथ, पूंजी जुटाने वाले विभिन्न गतिविधियों व्दारा आए धनराशि को भी एकत्रित करना।
- प्रांतीय / प्रतिनिधि मंडल स्तर पर एक मात्रा निर्धारित करना चाहिए, जिसे बैंक में जमा किया जाए और इसे संयुक्त रुप से संचालित किया जाना जाहिए।
- ऐसे व्यक्ति जो इन सेवाओं को संचालित करते है उन्हे समूह के सदस्यों व्दारा पुनः चुनाव की संभावना के साथ तीन साल की अवधि के लिए चुना जाता है।
  (विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखें जो इस संकेत शामिल नहीं होंगे)

विशिष्ट कार्यो के लिए अलग अलग स्तर पर कमीशन तैयार किए जाएंगे जिसमें सदस्य आवश्यक रुप से समूहों के संयोजक नही बल्कि उस विशेष कार्य के लिए समूह से चुना गया सदस्य होगा ।

८.३ कार्य करने का मापदंड -

संत अन्ना परिवार के सदस्य, उनके विशिष्ट बुलाहट के अनुसार :

- समूह या समुदायों में एकीकृत करने का प्रयास।
- लोकधर्मीयों के समुदाय में सम्मिलित होने से पहले उन्हे अपनी बुलाहट को विवेकता से पहचानने की आवश्यकता है।
- बैठको,समारोहों,प्रशिक्षण सभाओं,मुठभेडों,प्रार्थना आदि में भाग लेना
- संत अन्ना परिवार के कार्यकलापों की तैयारी एवं उन्नति के लिए जिम्मेदारी पूर्वक भाग लेते है और वे विभिन्न कार्यकलापों में विशेष दायित्व ग्रहण करेंगे।
- जी.सं. ११९ और १४० के अनुसार, सामान्य और प्रांतीय अध्यायों में भाग लेना लोकधर्मी सदस्य के चुनाव की प्रक्रिया को एक अलग दस्तावेज में परिभाषित किया जाना चाहिए।
- अन्य समूहों, किसी दिए गए क्षेत्र के समुदायों के साथ समन्वय करें
- खुले दिल से जरुरातों को, गरीबी को, जानना और वे उसके समाधान के, प्रयास में अपने आप को समर्पित करेंगे।
- पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली को अपनाने का प्रयास करे, जो संसाधनों के इस्तेमाल में जिम्मेदार है और धरती माता के लिए सम्मान और देखभाल की भावना रखते है।

८.४ संबंध और संचार के मार्ग -

हम निम्नलिखित मार्ग में से किसीभी माध्यम से संवाद करते है

- निजी बैठकें ।
- समूह बैठकें ।
- प्रांतीय और सामान्य स्तरों पर मुठभेड(उपस्थित होकर या ऑनलाइन से मिलते है) ।

- परिपत्र
- विभिन्न प्रांतो/प्रतिनिधि मंडलो में ब्लॉग्स के समूह ।
- सामाजिक शुध्द कार्यो में अधिकृत प्रोफाइल का उपयोग करना ।
- संस्था के वेब पेज के वर्ग (गतिविधियों,एजेंडा, और संसाधन)।
- ई मेल।
- फोन कॉल, एस एम एस,और व्हाट्स अप।

९. शब्द कोष -

दान - ईश्वरीय प्रेम का सहभागिता । सिस्टर्स ऑफ चॅरिटी ऑफ सेन्ट एन्न के लिए यह मण्डली की उत्पत्ति है, इसके अस्तित्व का कारण, इसके विशिष्ट चरित्र, इसके अपोस्तोलिक मिशन और जिस दिशा में वह निर्देशित है।(संदर्भ संवि - ४)

विशिष्ट प्रेरितिक कार्य : परमेश्वर व्दारा दी गई असाधारण उपहार, ताकि उनके राज्य के विस्तार के लिए कार्य किया जा सके।

प्रतिबध्दता : व्यक्ति दूसरों की भलाई के लिए स्वेच्छा से दायित्व तलाशने लगे।

समुदाय : संत अन्ना परिवार का स्थिर समूह है जो अपने बुलाहट के जवाब में एक पहचान बनाते है और जीवन के एक सामान्य योजना में सहभागी होते है। संविधान : यह एक धार्मिक संस्थान के सर्वोच्च नियम है जो कि विशिष्ट प्रेरितिक कार्यो को व्यक्त करता है और येसु खिस्त के अनुयायी के रुप में जीना सिखाता है ।

प्रशिक्षण : ज्ञान अनुभव और व्यवहार प्राप्त करने के लिए उन्मुख गतिविधि है जो व्यक्ति को जीवन के सभी आयामों में विकसित करने में मदद करता है ।

सामान्य अध्याय : पूरी संस्था की धर्मबहन प्रतिनिधियों को एकत्र करना जो उसके लिए सबसे बडा अंग है ।इसके फैसले को सामुसायिक रुप से लिया जाता है । यह आम हो सकता है । (चुनावों और व्यापारिक मामलों से निपटने के लिए हर ६ वर्ष का आयोजन) या आसाधारण संस्था कुछ मामलों में संत अन्ना परिवार के सदस्य,लोकधर्मी वर्ग इनके कुछ सत्रो में भाग ले सकते है । (संदर्भ सं.वि.११६-११७ और जी.स. ११९)

आधार : जिस आधार पर कुछ चीज का समर्थन और विकसित होता है।

वीरता : हमारे रोजमेर्रा के जीवन में महान और श्रेष्ठ संभव अच्छाई करने का प्रयास ।

आतिथ्य सत्कार : ये आतिथ्य सत्कार ईश्वर व्दारा दिया गया एक उपहार है जो स्वागत करने का सुलभता से सेवाभाव का विस्तार पूर्वक सबको प्यार करने का मनोभाव है ।(संदर्भ संवि - १६,१९ और २०)

पहचान : किसी व्यक्ति या समूह को परिभाषित करने वाले अपने गुणों का समूह।

जोन बोनाल फांउडेशन : गैर सरकारी संगठन जो सिस्टर्स ऑफ चॅरिटी ऑफ सेंट एन्न से जुडा हुआ है।

लोकधर्मी : वह व्यक्ति जो न एक याजक है और न एक धार्मिक व्रत ग्रहण किया हुआ कथोलिक चर्च में उनका बुलाहट दुनिया के पवित्रता में योगदान करना है ।जैसे कि खुद की तरह से अपनेखुद के कर्तव्यों को पूरा करके । (लू जे - १३)

चिकित्सा शिविर/मिशनः स्वास्थ सेवाओ को समुदाय के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ ायों के समूह व्दारा स्वेच्छा से प्रदान करना।

मिशन : सुरक्षित सदस्यो के लिए यह हमारे उपस्थिति और कार्यो के माध्यम से परमेश्वर के प्रेम के गवाह होने का मतलब है, जो हमारे लिए उपहार में दिया गया है।

मिशन शिविर : कस्बों से दूर छोटे गांवो की विशिष्ट गतिविधियां जो संत अन्ना परिवार के सदस्यों के एक समूह व्दारा आयोजित की जाती है।

नई गरीबी : नए अपराध, नई उभरती जरुरते,कठिनाईयां एवं संघर्ष जो लोग तकनीकी वैश्वीकरण,सामाजिक असामनता, राजनीतीक और सांस्कतिक संघर्ष,धार्मिक कट्टरवाद औरअन्य संबंधित मु-ने के कारण अनुभव करते है।

प्रेरिताई कार्य : खीस्तीय सेवा कलिसिया के त्रिपक्ष धर्मसेवा व्दारा घटित है। (पूजन पध्दति,पैंगबरी,और सेवा)

गरीब : हर कोई जो किसी तरह से वचित हैः
आर्थिक, बौध्दिक, सामाजिक, स्वास्थ,कौशल और स्नेह

प्रांत/प्रतिनिधि मंडल : मंण्डली का भौगोलिक विभाजन एक प्रांत एक प्रतिनिधि मंडल के सदस्य और समुदायों की अपनी बढती संस्था के लिए अलग है।

प्रांतीय/प्रतिनिधि मंडल अध्याय :
मंडल के एक प्रांत/प्रतिनिधि मंडल की बहनो के प्रतिनिधियोंको एकत्र करना, जो एक साथ मिलकर निर्णय लेते है ।यह प्रांतीय/प्रतिनिधि मंडल सरकार के चुनाव के लिए हो सकता है। या व्यापार मामलों से निपटने के लिए हो सकता है ।सामान्य अध्याय में कुछ मामलो में संत अन्ना परिवार के सदस्यों को कुछ सत्रो मेंभाग लेने की अनुमति प्राप्त है।
(संदर्भ -सं.विः १३८,१३९,१४० और जी.सं.-१४०)

साझा मिशनः मिशन दोनों बहनो और व्यक्तियों व्दारा जीवित रहे,प्रत्येक व्यक्ति उसकी /उसका पहचान से।

आध्यात्मिकता : सिध्दांत और व्यवहार जो किसी व्यक्ति या समूह के आध्यात्मिक या आंतरिक जीवन को आकार देते है।

कार्यः प्रत्येक कार्य गतिविधियां, सत्कर्म या सेवाए जो हमारे मिशन को मजबूत करती है।

बुलाहट : भगवान से एक निश्चित जीवन स्तर के लिए बुलावा है।

१०. संक्षेपण -

१ पे. : संत पेत्रुस का पहला पत्र

संवि : संविधान

जी.सं. : जीवन की संगठन

सं अ प : संत अन्ना परिवार

एस सी एस ए : सिस्टर्स ऑफ चॉरिटी ऑफ सेंट एन्न

११. ग्रंथ सूची

- पवित्र ग्रंथ

- लूमेन जेनसियुम, चर्च पर कट्टर संविधान, परम पावन व्दारा प्रख्यापित, संत पिता पॉल VI नवम्बर, १९६४

- खिस्टिफिदेलेस लाइसी पोस्ट सिनाडल अपोस्तोलिक अभियान पवित्र पिता जॉन पॉल व्दितीय को बिशप और याजक, धार्मिक आदेश और कलीसियाओं,पृरक जीवन, धर्मनिरपेक्ष जीवन और चर्च में और दुनिया में इसके मिशन के लिए मार्च, १९९६ ।

- २००७ के सामान्य अध्याय के लिए आतिथ्य के नए तरीके,तैयारी दस्तावेज।

- २६ वां सामान्य अध्याय का अंतिम दस्तावेज, २००७

- संविधान और एस सी एस ए के जीवन का संगठन । २०११ ।

- २७ वां सामान्य अध्याय, २०१३ के कुछ मिनटों का सारांश ।

- २८ वां सामान्य अध्याय, २०१३ के निष्कर्ष ।